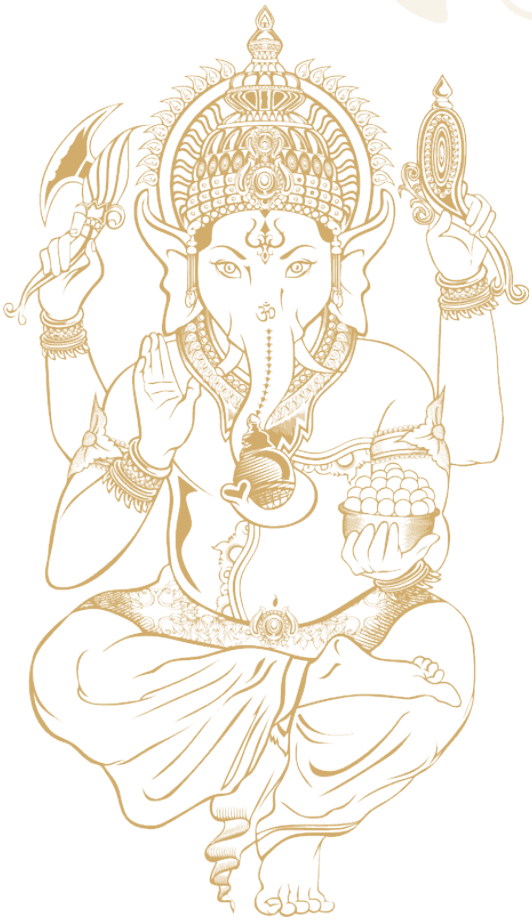

Mr.santosh

06 Feb 1994

07:50 PM

Rudraprayag

Model: Varshphal-2017

Order No: 119709201

तिथि 06/02/1994 **समय** 19:50:00 **वार** रविवार **स्थान** Rudraprayag **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:46:45
अक्षांश 30:16:00 उत्तर **रेखांश** 78:59:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:14:04 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	04:41:53 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:14:06 घं	योनि	श्वान
सूर्योदय	07:02:04 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:54:32 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2050	वश्य	मानव
शक संवत	1915	वर्ग	मृग
मास	माघ	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	11	जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
नक्षत्र	मूल	पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
योग	हर्षण	होरा	गुरु
करण	बालव	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 2मा 24दि
चन्द्र
02/05/2024
02/05/2034

चन्द्र	02/03/2025
मंगल	01/10/2025
राहु	02/04/2027
गुरु	01/08/2028
शनि	03/03/2030
बुध	02/08/2031
केतु	02/03/2032
शुक्र	01/11/2033
सूर्य	02/05/2034

योगिनी
उल्का 3वर्ष 7मा 16दि
भद्रिका
24/09/2022
24/09/2027

भद्रिका	04/06/2023
उल्का	04/04/2024
सिद्धा	25/03/2025
संकटा	05/05/2026
मंगला	25/06/2026
पिंगला	04/10/2026
धान्या	05/03/2027
भ्रामरी	24/09/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:16:25	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	---	0:00			
सूर्य			23:47:24	मक	धनिष्ठा	1	मंगल	मंगल	शत्रु राशि	1.34	अमात्य	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			05:16:13	धनु	मूल	2	केतु	मंगल	सम राशि	1.41	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल		अ	13:34:11	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	उच्च राशि	0.95	मातृ	भ्रातृ	क्षेम
बुध			11:51:40	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	सम राशि	1.09	पुत्र	ज्ञाति	साधक
गुरु			20:07:54	तुला	विशाखा	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	1.00	भ्रातृ	धन	वध
शुक्र		अ	28:42:44	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	मित्र राशि	1.07	आत्मा	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			07:14:09	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	मूलत्रिकोण	1.52	ज्ञाति	आयु	साधक
राहु	व		06:06:28	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	बुध	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		06:06:28	वृष	कृतिका	3	सूर्य	बुध	सम राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

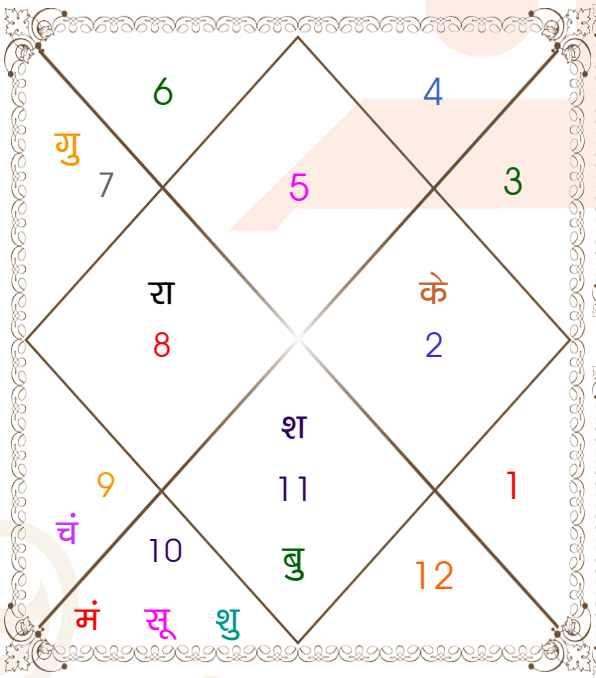

चन्द्र कुंडली

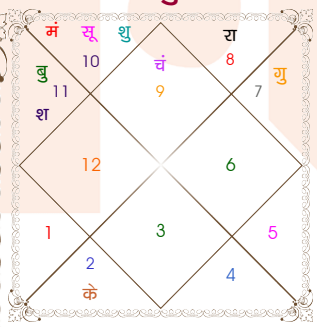

नवमांश कुंडली

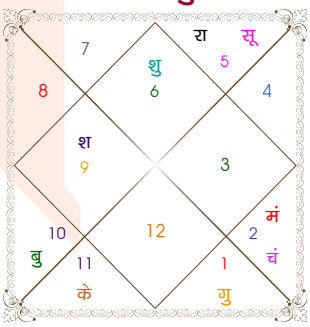

सर्वाष्टकवर्ग

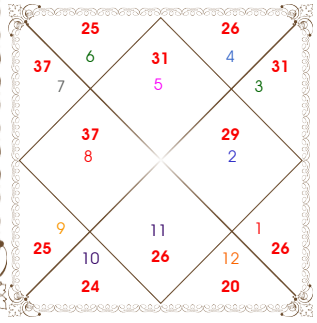

दशमांश कुंडली

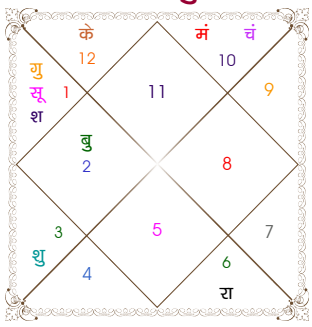

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक अस्वस्थता एवं परेशानी से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे । इस समय आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा स्वभाव में क्रोध की भी अधिकता रहेगी। मानसिक रूप से भी आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे एवं वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध तनाव पूर्ण रहेंगे तथा उनसे आपको अल्प सुख या सहयोग प्राप्त होगा तथा दाम्पत्य सुख में भी इस समय अल्पता की अनुभूति होगी । इसके अतिरिक्त विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प भी आपके अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे अतः इस समय किसी नवीन कार्य को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी आपके वरिष्ठ नेता या अधिकारी वर्ग आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः इनसे सावधान रहें तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करें। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मिथ्या वाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आपको समय समय पर परेशानी रहेगी। अतः धैर्य एवं परिश्रम पूर्वक अपना समय व्यतीत करें तथा विशेष शुभ फलों की अपेक्षा न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके शत्रु न्यूनाधिक मात्रा में समस्याएं उत्पन्न करेंगे तथा आप दृढ़ता पूर्वक इनका सामना करेंगे लेकिन परिश्रम पूर्वक ही विजय प्राप्त हो सकेगी। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय मध्यम रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आपके मानसिक संकल्प एवं आशाएं समयानुसार न्यूनाधिक मात्रा में सफल हो सकेंगी। इसके अतिरिक्त आपको इस वर्ष में वाहन संबधी सुख या लाभ भी अल्प मात्रा में प्राप्त हो सकता है अतः यत्नशील रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा । इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे फलसव्रूप उनसे कोई विशेष लाभ या सहयोग प्राप्त नहीं होगा।इस वर्ष व्यापार में आप परिश्रम पूर्वक अल्प सफलता प्राप्त करेंगे साथ ही उन्नति मार्ग में भी समय समय पर व्यवधान उत्पन्न होंगे।नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी परन्तु विरोधी पक्ष के प्रबल होने के कारण इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी लेकिन अन्ततोगत्वा सफलता अवश्य मिलेगी। इस वर्ष में सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा अन्य जनों से आपके संबध सामान्य ही रहेंगे अतः वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा लेकिन परिश्रम से आपको न्यूनाधिक सफलताएं प्राप्त हो सकती है।

प्रथम मास

06/02/2025 18:38:35 से 08/03/2025 13:31:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	03:53:00
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	23:47:24
चन्द्र		वृष	कृतिका	09:30:41
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:47:48
बुध		मकर	श्रवण	21:36:00
गुरु		वृष	रोहिणी	17:04:42
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:23:13
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:49:42
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:58:59
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:58:59
मुंथा		मीन	रेवती	19:16:25

मासाधिपति

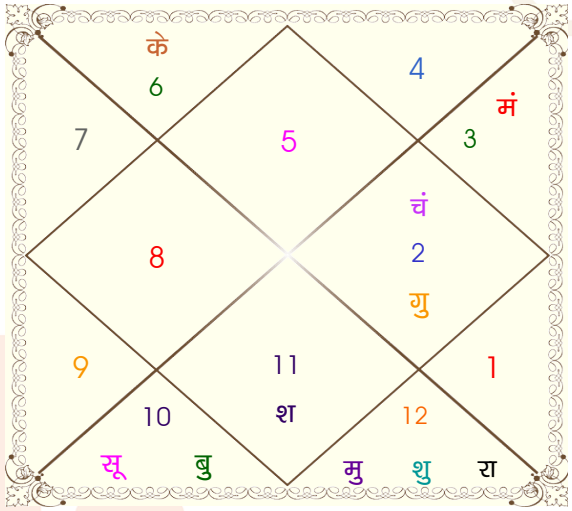

मासाधिपति : गुरु

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

08/03/2025 13:31:42 से 07/04/2025 19:28:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	23:46:46
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:47:24
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	14:29:46
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:41:20
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	11:56:32
गुरु		वृष	रोहिणी	18:43:19
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:47:54
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:22:52
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:14:55
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:14:55
मुंथा		मीन	रेवती	21:46:25

मासाधिपति

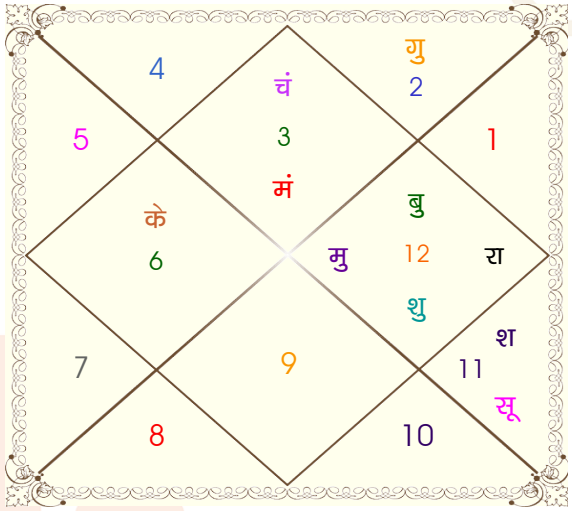

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास

07/04/2025 19:28:00 से 08/05/2025 13:51:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	05:40:33
सूर्य		मीन	रेवती	23:47:24
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	23:31:50
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	01:40:02
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	02:37:00
गुरु		वृष	रोहिणी	22:49:42
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:01:07
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:03:38
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:06:48
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:06:48
मुंथा		मीन	रेवती	24:16:25

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

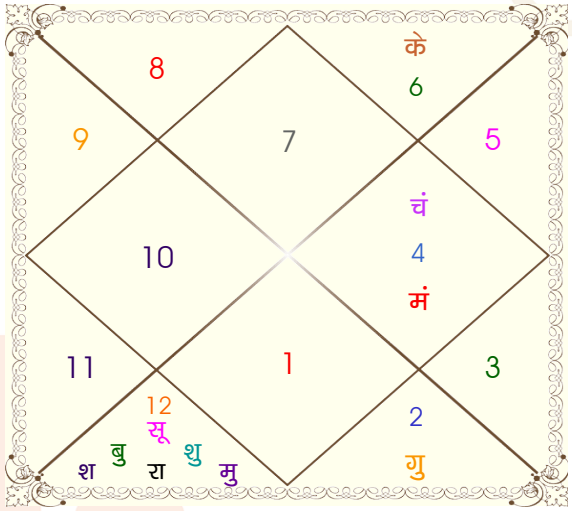

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

08/05/2025 13:51:33 से 08/06/2025 18:45:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:06:56
सूर्य		मेष	भरणी	23:47:24
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:24:46
मंगल		कर्क	पुष्य	14:49:59
बुध		मेष	अश्विनी	02:13:49
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:39:35
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:36:25
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:21:24
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:07:58
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:07:58
मुंथा		मीन	रेवती	26:46:25

मासाधिपति

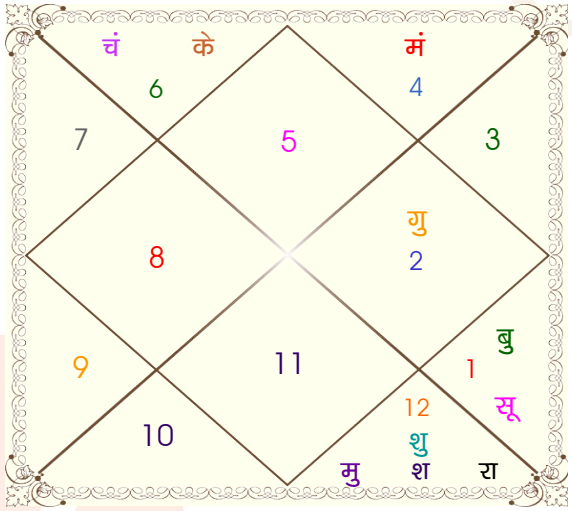

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास

08/06/2025 18:45:39 से 10/07/2025 05:13:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:27:18
सूर्य		वृष	मृगशिरा	23:47:24
चन्द्र		तुला	विशाखा	23:00:11
मंगल		सिंह	मघा	00:55:12
बुध		मिथुन	मृगशिरा	04:57:52
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	05:29:15
शुक्र		मेष	अश्विनी	08:08:24
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:44:03
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:25:53
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:25:53
मुंथा		मीन	रेवती	29:16:25

मासाधिपति

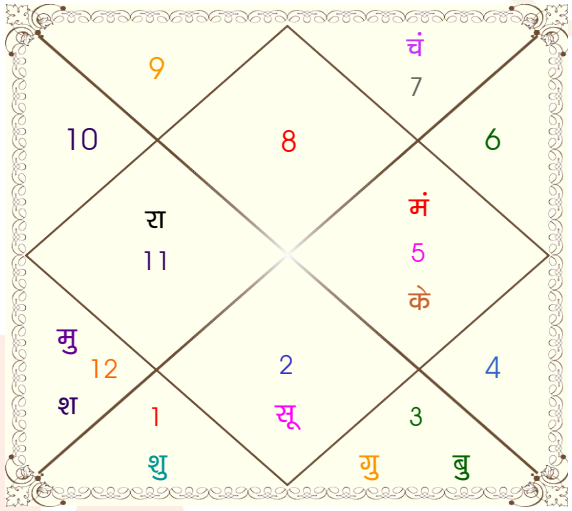

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

10/07/2025 05:13:16 से 10/08/2025 14:37:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	21:25:22
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	23:47:24
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:32:25
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:48:32
बुध		कर्क	आश्लेषा	18:45:50
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:38:27
शुक्र		वृष	रोहिणी	11:42:26
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:42:41
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:04:23
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:04:23
मुंथा		मेष	अश्विनी	01:46:25

मासाधिपति

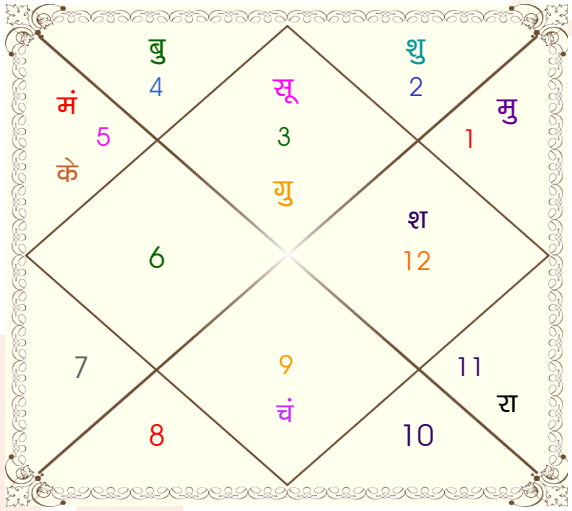

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रुचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
10/08/2025 14:37:51 से 10/09/2025 16:41:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:25:55
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	23:47:24
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	07:05:58
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:54:36
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:04:56
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:28:03
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	17:40:38
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:03:57
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:17:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:17:32
मुंथा		मेष	अश्विनी	04:16:25

मासाधिपति

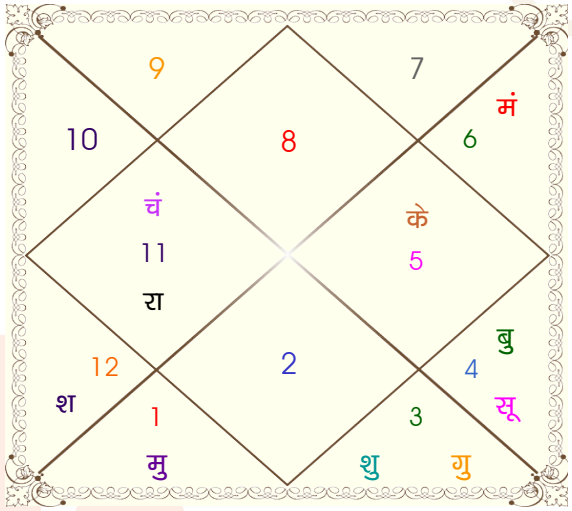

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
10/09/2025 16:41:41 से 11/10/2025 07:17:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	19:57:44
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:47:24
चन्द्र		मेष	अश्विनी	00:23:29
मंगल		कन्या	चित्रा	27:53:20
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:02:47
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:17:04
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	24:45:36
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:07:12
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:04
मुंथा		मेष	अश्विनी	06:46:25

मासाधिपति

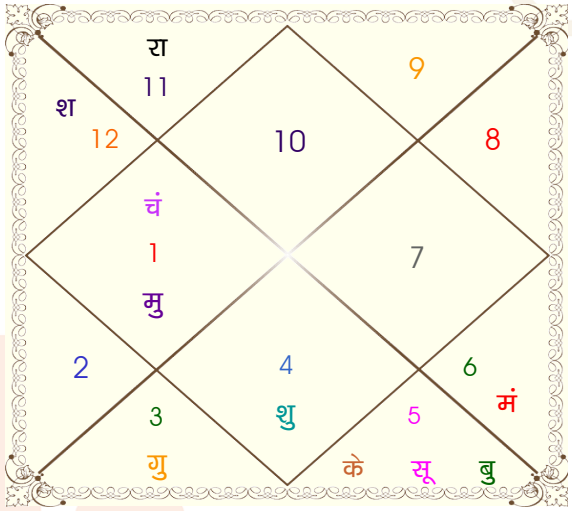

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
11/10/2025 07:17:07 से 10/11/2025 09:30:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	06:36:14
सूर्य		कन्या	चित्रा	23:47:24
चन्द्र		वृष	रोहिणी	18:26:39
मंगल		तुला	स्वाति	18:33:27
बुध		तुला	स्वाति	12:15:36
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:21:00
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:17:38
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:48:20
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:46:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:46:32
मुंथा		मेष	अश्विनी	09:16:25

मासाधिपति

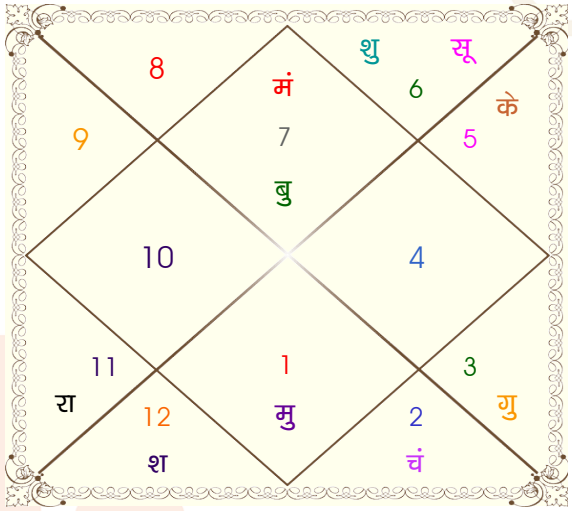

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके विशेष अच्छे संबघ नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

दशम् मास
10/11/2025 09:30:27 से 10/12/2025 01:44:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	00:21:29
सूर्य		तुला	विशाखा	23:47:24
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:56:01
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	09:49:31
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	12:37:56
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:46
शुक्र		तुला	स्वाति	09:49:05
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:13:28
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:58:16
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:58:16
मुंथा		मेष	अश्विनी	11:46:25

मासाधिपति

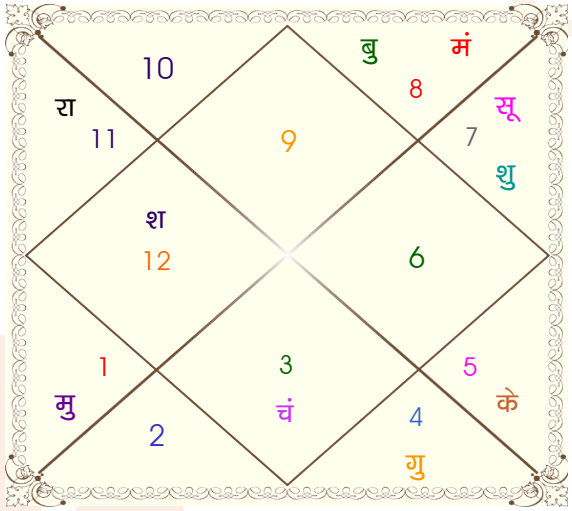

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास

10/12/2025 01:44:13 से 08/01/2026 12:50:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	15:39:14
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:47:24
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	29:38:35
मंगल		धनु	मूल	01:39:59
बुध		वृश्चिक	विशाखा	03:17:41
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:38:26
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:05:57
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:03:35
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:52:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:52:04
मुंथा		मेष	भरणी	14:16:25

मासाधिपति

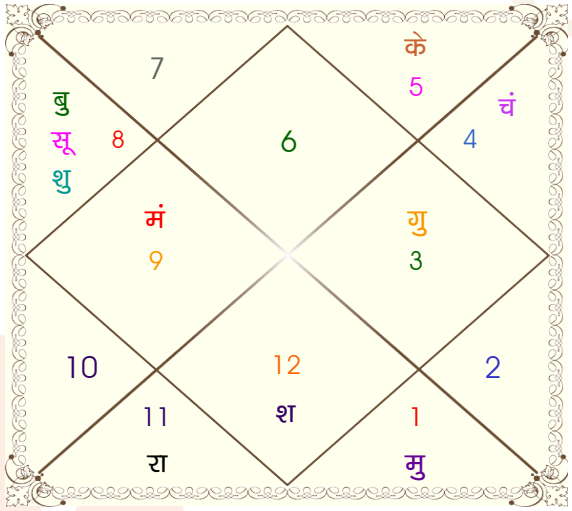

मासाधिपति : चन्द्र

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास

08/01/2026 12:50:14 से 07/02/2026 00:53:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	13:27:02
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:47:24
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:53:51
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:04:56
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:44:05
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:09:47
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:10:34
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:24:40
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:04:04
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:04:04
मुंथा		मेष	भरणी	16:46:25

मासाधिपति

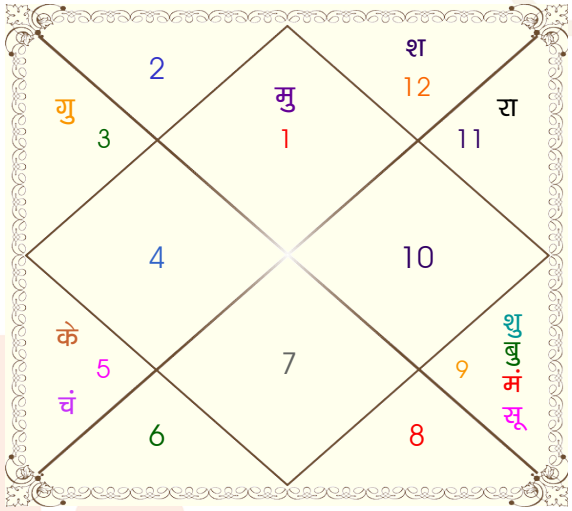

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।